ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE (ECHO GROUP)

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXVIII | DECEMBER 2022 | No.01

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

लूका १:२६-३३

२६ छठवें महीने में परमेश्वर की ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत, गलील के नासरत नगर में,

२७ एक कुँवारी के पास भेजा गया जिसकी मंगनी यूसुफ नामक दाऊद के घराने के एक पुरुष से हुई थी रू उस कुँवारी का नाम मरियम था।

२८ स्वर्गदूत ने उसके पास भीतर आकर कहा, "आनन्द और जय तेरी हो, जिस पर ईश्वर का अनुग्रह हुआ है! प्रभु तेरे साथ है!"

२६ वह उस वचन से बहुत घबरा गई, और सोचने लगी कि यह किस प्रकार का अभिवादन है?

३० स्वर्गदूत ने उससे कहा, "हे मरियम, भयभीत न हो, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है।

३१ देख, तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा; तू उसका नाम यीशु रखना।

३२ वह महान् होगा और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा; और प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उसको देगा,'

३३ और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा; और उसके राज्य का अन्त न होगा।

क्रिसमस की आशीषें!

BLESSINGS OF CHRISTMAS!

प्रो. के. आर. राजशेखरन

अधिकांश जगत पहले क्रिसमस से वंचित रहा। वे उसके बारे में अनजान थे। वह नहीं जानते थे कि ऐसा हुआ है। वे उसके महत्व को नहीं जानते थे। पहले क्रिसमस के समय बहुत कम लोग थे। अब २००० सालों बाद पूरा संसार जानता है कि क्रिसमस क्या है। सारे संसार में अरबों खरबों लोग क्रिसमस की आराधना में जाएंगे मसीह के जनकारी का बनाएंगे। मरियम युसूफ चरवाहे और मजुसी वे थोड़े लोग थे जो क्रिसमस के बारे में जानते थे। किस बात ने उन्हें इतना खास बनाया था कि वे पहले ही दिन उसमें आ गए? परमेश्वर किस प्रकार चुनता है कि वह किसे आशीष देने वाला है? मैं केवल एक पल सोचना चाहता हूं कि परमेश्वर किसे चुनता और इस्तेमाल करता है।

सच्चाई यह है कि परमेश्वर आपको आशीष देगा यदि आप उन बातों को करेंगे जिन्हें मरियम और युसूफ चरवाहे और मजुसियों ने किया। यदि आप उसे अभी करेंगे तो आपके लिए भी यह क्रिसमस आशीषित होगा। **क्योंकि जब आप उसकी ओर देखते हैं तो यूसुफ ने सहयोग दिया और चरवाहों ने उत्सव मनाया और मरियम ने मनन किया और मजुसियों ने समर्पण किया। हम उस पर एक के बाद एक मनन करें।**

१. यूसुफ ने परमेश्वर की योजना के साथ सहयोग दिया

हम यूसुफ के साथ शुरुआत करें। क्रिसमस की कहानी में यूसुफ ऐसा चरित्र है ऐसा किरदार है जिसे कम महत्वपूर्ण समझा गया है और अक्सर अनदेखा किया जाता है। वह एक तरह से सहयोग देने वाला है। हम उसके बारे में बहुत कुछ नहीं जानते। परंतु युसूफ मात्र एक सामान्य व्यक्ति था वह जवान और निर्धनता फुल तब उसके पास पैसा नहीं है उसके पास संभवतः एक छोटे से देहात में हाथों से करके आने वाला काम है। और इतना ही हम उसके बारे में जानते हैं केवल इसके कि उसकी सगाई हो चुकी थी। यूसुफ के साथ मरियम की सगाई होने के बाद पाया गया कि वह पवित्र आत्मा से गर्भवती है।

दोस्तों यदि ऐसा आपके साथ हुआ तो क्या

पृष्ठ 3 में क्रमशः...

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

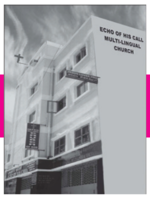

from your dearly beloved brother...

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Dr. A. Richard Samuel, M.A., Ph.D.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

CORE LEADERS
Bro. K. Puratchivendan
Bro. A. Edward Durai
Bro. A. Alvin
Bro. K. Abraham
Sis. Dhanalakshmi Chinnaiah

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

"... The Egyptians whom ye have seen to day, ye shall see them again no more for ever"
- Exodus 14:13

प्रिय भाइयों और बहनों,

हमारे पिता परमेश्वर की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिले। हमारे प्रभु परमेश्वर जिसने वर्ष २०२२ के दौरान हमें आशीर्वाद दिया है, वे भी पूरे नए वर्ष २०२३ में आपके साथ रहेंगे।

हम आशा करते हैं कि आप परमेश्वर के अनुग्रह से कुशल होंगे। हम अपनी निरंतर प्रार्थना और विनती के द्वारा आपको संभाले हुए हैं। आने वाले दिनों में परमेश्वर निश्चित रूप से आपके जीवन में महान कार्य करेगा। आज आश्चर्यकर्म के लिए उस पर विश्वास करें!

Our Residential Hindi Students

हम भारत और पड़ोसी देशों के अनपहुंचे लोगों तक पहुंचने में बहुत व्यस्त हैं। इस बीच हम अपने नहेम्याह बाइबल कॉलेज के छात्रों को एक बड़ी फसल के लिए तैयार करने के लिए सुसज्जित कर रहे हैं। वे खुशी-खुशी पढ़ाई कर रहे हैं और फील्ड ट्रेनिंग कर रहे हैं। बाइबल कॉलेज की पहल के लिए प्रार्थना करने और सहायता करने के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं। कृपया ऐसा करना जारी रखें।

हाल ही में दक्षिण भारत की अपनी यात्रा के दौरान हम परमेश्वर की सेवकाई में अपने कुछ सहकर्मियों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में सक्षम हुए। हम उन्हें उनके संबंधित क्षेत्रों में मुफ्त वितरण के लिए सुसमाचार ट्रैक्ट और पुस्तिकाओं के बंडलों के साथ आशीष देने में सक्षम थे। हम परमेश्वर को एको ऑफ हिज़ कॉल सुसमाचार छापखाना प्रेस और साहित्य कार्यकर्ताओं के लिए धन्यवाद देते हैं। हमें हर दिन उत्तम प्रतिक्रिया मिल रही है। हमने विभिन्न स्थानों पर युवाओं के

Pr. Jacob Jeya Kumar, our Gospel Tract Distributor at Villuppuram town.

Bro. Solomon Manoharan, businessman, 99 K.M. Coffee Magic & Village Pastor, Mullaivanan, our BIBLECOR Bible Correspondence Course Graduate, Cheyyoor.

Pr. Jeba Daniel, Valliyoor town.

Pr. Stephen Karthik, Virudhunagar town.

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) Online Courses Theological Correspondence Courses (2 languages) Church Planting Nehemiah Bible Colleges Gospel Printing Press Great Commission Partners St. Paul's Matriculation School Crusades Community Development

Sis. Angeline Selvakumari

Rev. Dr. Sunny Prasad

Rev. Dr. Anand Babu

लिए विशेष सेमिनार आयोजित किए। परमेश्वर ने हमारी बहन एंजेलिन सेल्वाकुमारी, रेव्ह. डॉ. सनी प्रसाद, रेव्ह. डॉ. आनंद बाबू आदि का उपयोग किया।

प्रिय मित्रों, यहां परमेश्वर की सेवकाई करना कोई आसान काम नहीं है। हमें अपने कार्यकर्ताओं के परिवारों में बीमारी, शैतान के सीधे हमले, राजनीतिक ताकतों, मसीही विरोधी तत्वों, आर्थिक तंगी आदि जैसी बुरी ताकतों से लड़ना है जिन्हें समझाया और पहचाना नहीं जा सकता। वास्तव में हम कठिन परिस्थितियों में संघर्ष कर रहे हैं। हम ही नहीं, परमेश्वर के सभी सच्चे सेवक एक ही नाव में यात्रा कर रहे हैं। जब तक आप जैसे लोग आपकी प्रार्थनाओं और सहायता के द्वारा हमें मदद देने के लिए आगे नहीं आएंगे, तब तक हमारे लिए खोई हुई आत्माओं तक पहुंचना बहुत मुश्किल होगा।

तो कृपया आगे आएं

(i) डिनॉमिनेशन के मतभेदों के बावजूद हमारे और परमेश्वर के सभी सेवकों और भारत और आस-पास के देशों के सभी चर्चों के लिए प्रार्थना का समय बढ़ाएं।

(ii) हमारे एको ऑफ हिज़ कॉल में पासवान, सुसमाचार प्रचारक, संगीतकार, सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल में शिक्षकों के रूप में, हमारे नहेम्याह बाइबल कॉलेजों में व्याख्याता, प्रशासनिक कर्मचारी, पर्यवेक्षक, तकनीकी कार्मिक आदि के रूप में परमेश्वर की सेवा करें।

(iii) परमेश्वर जैसे अगुवाई करता है अपनी वित्तीय सहायता में वृद्धि करें, क्योंकि हमारे कर्मचारियों की बुनियादी जरूरतों, छपाई कागज़ की लागत, छपाई स्याही, डाक खर्च, भवन किराया, रखरखाव आदि की मांग में भारी वृद्धि हुई है।

क्षेत्रीय बैठकें

कोविड-१६ के बाद रविवार की आराधना सेवाओं में गिरजे के सदस्यों की कम उपस्थिति को दूर करने के लिए, हम प्रत्येक शुक्रवार

को शाम ६.०० बजे से क्षेत्र सदस्यों की बैठक आयोजित कर रहे हैं। शाम ७.३० बजे तक हम उनके साथ मिलते हैं और अपने क्षेत्र के नेताओं की मदद से व्यक्तिगत रूप से उनके लिए प्रार्थना करते हैं। हम उन्हें परिवारों के रूप में आमंत्रित करते हैं और उन्हें अपनी समस्याओं को साझा करने और उन्हें प्रोत्साहित करने की अनुमति देते हैं। यह प्रयास अत्यधिक सफल है क्योंकि अब हमारे गिरजे के सदस्यों की उपस्थिति बढ़ रही है। हमारे प्रभु यीशु मसीह के पवित्र नाम की स्तुति करो।

परमेश्वर के अनुग्रह से, हम जाति, पंथ और धर्म की परवाह न करते हुए पिछले वर्षों के दौरान कोविड-19 से प्रभावित गरीब लोगों की एक छोटे से तरीके से मदद करने में सक्षम रहे। अभी भी आम लोग कोविड-19 के बाद के बुरे प्रभावों और अन्य बीमारियों के कारण पीड़ित हैं। हमें गरीबों और दलितों को चिकित्सा और शैक्षिक जरूरतों के लिए मदद करने के लिए कुछ धन की आवश्यकता है। हम परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि ऐसी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आप जैसे कुछ लोगों को खड़ा करें। यदि प्रभु आपको इस सामान्य आवश्यकता में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है, तो आप इस उद्देश्य के लिए अपना चेक / डिमांड ड्राफ्ट एको ऑफ हिज़ कॉल एजुकेशनल ट्रस्ट के पक्ष में भेज सकते हैं। (हम आपको भारतीय दाताओं को आयकर अधिनियम की धारा ८० जी के तहत कर कटौती योग्य रसीद देंगे)। एको ऑफ हिज़ कॉल एजुकेशनल ट्रस्ट एक सरकारी अधिकृत धर्मार्थ संगठन है।

हम आपके लिए और आपकी ज़रूरतों के लिए प्रार्थना करते हैं। परमेश्वर आपको अधिक से अधिक आशीष दे और आपको नए साल २०२३ में नई सामर्थ, बल, ज्ञान और दीर्घायु के साथ आगे बढ़ने में सक्षम बनाएं। गिनती ६:२४-२६।

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम

(+91) 98412 71858 / 98410 71858,
E.mail : samselvaraj333@gmail.com

पृष्ठ 1 से आगे:...

आप विश्वास करेंगे? लेकिन यह सच है।अब यूसुफ की कसौटी है। और बाइबल कहती है कि युसूफ एक धर्म व्यक्ति था और अपनी पत्नी को लज्जित करना नहीं चाहता था। उसने उस कहानी पर विश्वास नहीं किया परंतु बाइबिल इस प्रकार कहती है। पहले अध्याय में हम पढ़ते हैं कि यूसुफ एक अच्छा व्यक्ति था और वह मरियम को सबके सामने अपमानित करना नहीं चाहता था। इसलिए उसने चुपचाप उसे तलाक देने की योजना बनाई। **"अतः उसके पति यूसुफ ने जो धर्मी था और उसे बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने का विचार किया।"** मत्ती १:१६। उन दिनों में सगाई विवाह के समान होती थी। वह एक बंधनकारक अनुबंध होता था। आप सगाई तोड़ नहीं सकते थे। आपको सगाई तोड़ने के लिए तलाक लेना पड़ता था। इसलिए उसने चुपचाप उसे तलाक देने की योजना बनाई। परंतु एक स्वर्ग दूत ने स्वप्न में उसे दर्शन दिया। और जब युसूफ जाग उठा तब उसने बिल्कुल वही किया जिसके आज्ञा उसे प्रभु के दूत ने दी थी। और वहं मरियम को घर ले गया। **"तब यूसुफ नींद से जागकर प्रभु के दूत की आज्ञा के अनुसार अपनी पत्नी को अपने यहाँ ले आया।"** मत्ती १:२४। एक अत्यंत असंभव नामुमकिन कहानी पर विश्वास करने के लिए बड़े विश्वास की जरूरत होती है और यह विश्वास करने के लिए कि परमेश्वर के पास उसके जीवन के लिए के लिए और बेहतर एवं बड़ी योजना थी जिसकी उसने शायद ही कभी कल्पना की हो।

यहां पर हमें पहले मुद्दे पर गौर करना है यदि आप परमेश्वर द्वारा आशुतोष होना चाहते हैं यदि आप आपके व्यवसाय पर परमेश्वर के आशीष चाहते हैं आपकी विवाह पर आपके रिश्ते पर आपकी मित्रता ऊपर आपके पैसों पर, तो आपको वही करना है जो यूसुफ ने किया और परमेश्वर की योजना के साथ सहयोग करना है और वही करना है जो यूसुफ ने किया और आपके जीवन के लिए आपकी अपनी योजना का अनुसरण की योजना बड़ी और बेहतर की। आपके जीवन के लिए परमेश्वर की योजना के साथ आप सहयोग दें, भले ही वह अर्थपूर्ण लगता हो। वह बाद में अर्थपूर्ण लगेगा।

प्रिय मित्रों परमेश्वर, के पास बेहतर योजना है। बाइबल कहती है **"क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएँ मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन् कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूँगा।"** (यिर्मयाह २६:११)। परमेश्वर कहता है कि वह जानता है कि वह क्या कर रहा है। मैं जानता हूं कि मैं क्या कर रहा हूं। मैंने सब कुछ योजना तैयार की है। अच्छी योजनाएं आपकी देखभाल करने की आप को हानि पहुंचाने की नहीं। परमेश्वर भला परमेश्वर है। मेरी योजनाएं आपको वह भविष्य प्रदान करेगी जिसकी आप आशा रखते हैं। क्या आप परमेश्वर पर भरोसा करते हैं या आप अपने आप पर भरोसा करते हैं क्या आप परमेश्वर की योजना पर भरोसा रखते हैं और अपनी ही योजना पर भरोसा रखते हैं यदि आप आपके जीवन में परमेश्वर के आशीष पाना चाहते हैं तो आपको आपके जीवन के लिए परमेश्वर की योजना के साथ सहयोग करना होगा। इसीलिए यसफ को पहले किस क्रिसमस में रहना पड़ा। उसी तरह यूसुफ के समान हमें आपके जीवन के लिए परमेश्वर की योजना के साथ सहयोग करना है।

२. चरवाहों ने उत्सव मनाया!

लूका २:१०-११ चरवाहे समाज की सीढ़ी के नीचे पायदान पर है। रोमी साम्राज्य में और नए नियम के समय में वे बहिष्कृत है। वे पेड़ों के समान बदबूदार उलझे हुए और गीले थे। चरवाहे ४६ मेहमानों में से नहीं थे जिन्हें कोई अपने जन्मदिन की दावत पर बुलाया क्योंकि वह उत्थान में बदबू फैला देते। वे समाज में कम आदरणीय लोग थे। और

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
रेसिडेन्शल कॉलेज, चेन्नई।

माध्यमः हिन्दी

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल
डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल

योग्यता 10 वी या अधिक
जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org
★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✽ भार उठना (गलातियों ६:२), ✽ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✽ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ दिसम्बर २०२२ से १८ जनवरी २०२३ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

१६ दिसम्बर : हमारे गॉस्पेल प्रिंटिंग प्रेस के लिए और कुशल श्रमिकों के साथ इसके निरंतर संचालन कि लिए।

२० दिसम्बर : हमारे वरिष्ठ पादरी एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों को सभी प्रकार की बुरी ताकतों से ईश्वरीय सुरक्षा।

२१ दिसम्बर : हमारे सभी सहायक संपादकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए।

२२ दिसम्बर : हमें सुसमाचार के साथ अगम्य क्षेत्रों में प्रवेश करने में मदद करने के लिए।

२३ दिसम्बर : हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेम्याह बाइबिल कॉलेज और ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम द्वारा जरूरतमंदों की लोगों की सेवा के लिए।

२४ दिसम्बर : हमारे सहायक संपादक, समन्वयक और उनके परिवार के लिए।

२५ दिसम्बर : जगत के उद्धारकर्ता, यीशु मसीह का जन्म हम सभी को बचाने के लिए हुआ था।

२६ दिसम्बर : कोरोना वायरस के संक्रमण में कमी के लिए।

२७ दिसम्बर : हमारे कार्यकर्ताओं के परिवारों पर उसकी आशीषों की वर्षा के लिए।

२८ दिसम्बर : मिशन के कार्यकर्ताओं की महान प्रतिबद्धता के लिए।

२६ दिसम्बर : इस वर्ष भर सभी ख्रीस्तीय संगठनों के सुचारु संचालन के लिए।

३० दिसम्बर : इस पूरे वर्ष भर परमेश्वर के सेवकों को ईश्वरीय सुरक्षा की आशीष देने के लिए।

३० दिसम्बर : चमत्कारिक रूप से इस वर्ष २०२२ की सभी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए।

०१ जनवरी : वर्ष २०२२ में विश्व भर के सभी पाठकों और लोगों को शांति मिले और नववर्ष २०२३ में भी प्रवेश हो।

०२ जनवरी : परमेश्वर ने हमारे मुख्य और शाखा चर्चों को अधिक विश्वासियों के साथ आशीषित किया।

जनवरी ०३ : २०२३ के लिए सभी कलीसियाओं और विश्वासियों को अच्छे वादों के साथ आशीष देने के लिए।

प्रार्थना

०४ जनवरी : मीडिया सेवकाई के लिए उनके एको ऑफ हिज़ कॉल के लिए एक वीडियो कैमरे का प्रावधान।

०५ जनवरी : सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेम्याह बाइबिल कॉलेज और ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम के प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र और कर्मचारियों के लिए।

०६ जनवरी : संसार के सभी मसीही शैक्षिक संगठनों की अच्छी प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए।

०७ जनवरी : सभी परिवारों में शांति बनी रहे।

०८ जनवरी : संसार में लोगों को नई बीमारियों से बचाव और अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेने के लिए।

०६ जनवरी : दुनिया भर में व्यक्तियों की आय में सुधार हो।

१० जनवरी : सभी चर्चों में दुष्ट शक्तियों से ईश्वरीय सुरक्षा।

११ जनवरी : विश्व के सभी नेता ईश्वरीय ज्ञान से परिपूर्ण होकर लोगों के कल्याण के लिए कार्य करें।

१२ जनवरी : सभी चर्चेस और मसीही संगठनों को सरकार के साथ कानूनी रूप से पंजीकृत किया जाए।

१३ जनवरी : युवाओं में हिंसा और हत्या की दुष्टात्माओं को हटाने और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने के लिए।

१४ जनवरी : देशों के बीच शांति और आर्थिक विकास के लिए।

१५ जनवरी : एको ऑफ हिज़ कॉल की बहुविध सेवकाई की आशीष के लिए।

१६ जनवरी : मसीहियों को परमेश्वर के वचन का पालन करना चाहिए और मसीह जैसा चरित्र रखना चाहिए।

१७ जनवरी : नए साल २०२३ में भी पास्टर एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों पर परमेश्वर का सामर्थी हाथ रहे।

१८ जनवरी :हमारे प्रार्थना सहभागियों, शुल्क सहभागियों, विश्वास के सहभागियों, आजीवन प्रतिभागियों, महान आदेश प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए।

पृष्ठ 4 से आगे:...

फिर भी परमेश्वर सर्वोच्च से सबसे निम्नतम की ओर गया और उसने उन्हें अपने पुत्र के जन्मदिन पर न्योता दिया। ताकि उन्हें भेड़ों से और दूसरे शत्रुओं से बचा सके। बाइबल इस प्रकार कहती है, रात के मध्य में स्वर्गदूत दिखाई देता है, और अचानक आकाश चमक उठता है और स्वर्गदूत चरवाहों से कहता है, "डरो मत। मैं तुम्हारे लिए बड़े आनंद का समाचार लाता हूं।" हर बार जब कोई स्वर्गदूत प्रकट होता है तो उसे शुरू करना होता है, मत डरो क्योंकि यदि आप किसी को देखते हैं तो यह आपको मौत के घाट उतार देगा। महान आनंद का समाचार जो सभी लोगों के लिए होगा। क्रिसमस केवल मसीहियों के लिए नहीं है। यह सभी लोगों के लिए है।

यीशु केवल कुछ खास लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए आया और मर गया। यह सभी लोगों के लिए अच्छी खबर है। और वह कहता है, कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता का जन्म हुआ है। यह आपके लाभ के लिए है और वह मसीह प्रभु है। चरवाहे बेतलेहेम की ओर भागते हैं। हम पढ़ते हैं, और वे फुर्ती से आए, और मरियम और यूसुफ को, और बालक को चरनी में पड़ा पाया। जब उन्होंने उसे देखा, तो उस बालक के विषय में जो बात उन से कही गई थी, वह सब प्रगट की। और सब सुननेवालों ने उन बातों से जो गड़ेरियों ने उन से कहीं आश्चर्य किया। **"तो यूहन्ना ने उन सबसे कहा, मैं तो तुम्हें पानी से बपतिस्मा देता हूँ, परन्तु वह आनेवाला है जो मुझ से शक्तिमान है; मैं तो इस योग्य भी नहीं कि उसके जूतों का बन्ध खोल सकूँ; वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। उसका सूप, उसके हाथ में है; और वह अपना खलिहान अच्छी तरह से साफ करेगा; और गेहूँ को अपने खत्ते में इकट्ठा करेगा; परन्तु भूसी को उस आग में जो बुझने की नहीं जला देगा। अतः वह बहुत सी शिक्षा दे देकर लोगों को सुसमाचार सुनाता रहा।"** लूका २:१६-१८।

चरवाहे जल्दी से बेतलेहेम को गए और वहां उन्होंने मरियम और यूसुफ, और बालक को देखा जो चरनी में पड़ा था। और उसे देखने के बाद, वे अपने अपने खेतों को परमेश्वर की स्तुति करते और गाते हुए वापस लौट गए। वे आनंद मनाने लगे। स्वर्गदूत के कहने के अनुसार उन्होंने जो कुछ देखा और सुना था, जो कुछ घटित हुआ था, उसके लिए वे परमेश्वर की स्तुति कर रहे हैं, उसे धन्यवाद दे रहे हैं। वे उत्सव मना रहे हैं। यूसुफ को सहयोग देना पड़ा, परंतु चरवाहे उत्सव मना रहे हैं। वे दावत उड़ा रहे हैं। क्रिसमस एक त्यौहार है, मृत संस्कार नहीं। इसलिए हम मेरी क्रिसमस कहते हैं।

मसीह का जन्म बड़े आनंद का सुसमाचार है जो सब लोगों के लिए है। क्योंकि तुम्हारे लिए दाऊद के नगर में एक उद्धारकर्ता जन्मा है, वह ख्रीष्ट प्रभु है। **यही उत्तम समाचार है।** आपके पाप क्षमा हो सकते हैं। आपके जीने का उद्देश्य हो सकता है। क्रिसमस की वजह से आपके लिए स्वर्ग में एक स्थान है। यह आनंद का अवसर है। यहां पर अब दूसरा मुद्दा है जिस पर हमें गौर करने की ज़रूरत है। यदि आप आशीष पाना चाहते हैं, तो आपको चरवाहों के समान उत्सव मनाना होगा क्योंकि परमेश्वर हमारे साथ है। यह देखना डरावनी बात है कि क्रिसमस की ऋतु के दौरान लोग बाकी सारा आनंद मनाते हैं। सब तरह की क्रिसमस पार्टियां होंगी और यीशु को कोई उल्लेख नहीं किया जाता। परंतु क्रिसमस का पूरा उद्देश्य है परमेश्वर हमारे साथ है। वह पृथ्वी पर आया है, हम इस पृथ्वी पर अकेले नहीं है। उसके पास हमारे जीवनों के लिए उद्देश्य और योजना है। वह हमसे प्रेम करता है और हमें क्षमा करता है और हमारे जीवनों के लिए उसके पास योजना है।

चरवाहों न केवल उत्सव मनाया, बल्कि उन्होंने सुसमाचार भी सुनाया। मैंने कहा उन्होंने हर एक को वह खुशखबर सुनाई। आपने किसी को सुसमाचार सुनाकर कितना समय हो गया? क्या आपने किसी को संसार की सबसे अच्छी खबर सुनाई? हमारे पास जो सुसमाचार है वह है पापों की क्षमा, हमारे जीवन के लिए उद्देश्य, और स्वर्ग में स्थान। यह उस किसी के लिए भी उपलब्ध है जो यीशु मसीह में विश्वास करता है और उसे ग्रहण करता है। मित्रों, क्या आपने सुसमाचार सुनाया? पवित्र शास्त्र कहता है कि चरवाहों ने उनके सम्पर्क में आने वाले हर एक को सुसमाचार सुनाया। इसलिए उन्होंने उत्सव मनाया और यूसुफ ने सहयोग दिया। चरवाहों के समान, उत्सव मनाएं कि परमेश्वर यहां हमारे साथ है और दूसरों के साथ उद्धार का सुसमाचार बांटें।

३. मरियम सोचती रही!

"इन्हें देखकर उन्होंने वह बात जो इस बालक के विषय में उनसे कही गई थी, प्रगट की, और सब सुननेवालों ने उन बातों से जो गड़ेरियों ने उनसे कहीं आश्चर्य किया। परन्तु मरियम ये सब बातें अपने मन में रखकर सोचती रही।" लूका २:१७-१९।

मरियम तेरा वर्ष की छोटी लड़की थी लेकिन वह यूसुफ के साथ विवाह से पहले ही गर्भवती पाई गई। उसकी यूसुफ से केवल मंगनी हुई थी। उसने परमेश्वर के बेटे को गर्भधारण किया था। कोई इस बात पर विश्वास नहीं करने वाला था। लेकिन मरियम ने पिकनिक नहीं मनाई। और उसने पिकनिक इस कारण नहीं मनाई क्योंकि वह अपने लिए परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं के बारे में सोच रही थी। और जबकि यूसुफ ने सहयोग दिया। और चरवाहे ने उत्सव मनाया, परंतु मरियम सोचती रही। वह परमेश्वर के वचन के बारे में सोच रही थी। "इन्हें देखकर उन्होंने वह बात जो इस बालक के विषय में उनसे कही गई थी, प्रगट की, और सब सुननेवालों ने उन बातों से जो गड़ेरियों ने उनसे कहीं आश्चर्य किया। परन्तु मरियम ये सब बातें अपने मन में रखकर सोचती रही।" परमेश्वर ने सारी जवान स्त्रियों में से परमेश्वर के पुत्र की मां बनने के लिए मरियम को आशीष देने के लिए चुना, क्योंकि उसने परमेश्वर के वचन पर ध्यान दिया। जब परमेश्वर ने उससे बातें की, तब उसने सुना। उसने केवल सुना ही नहीं, परंतु उसे याद रखा, उसके विषय में सोचा,

और उस पर मनन किया। वह सारी बातों पर शांति के साथ विचार करती रही। बाकी सब लोगों ने स्वर्गदूतों ने जो कहा उसे सुना, और आश्चर्य किया, लेकिन मरियम ने उस पर विचार किया। बड़ा फर्क है, मित्रों। यदि आप वचन के मानने वाले हैं, तो परमेश्वर आपको उन तरह से आशीषित कर सकता है जिन पर आप विश्वास नहीं करेंगे। यदि आप संसारिक व्यक्ति हैं, तो आशीष के लिए कोई स्थान नहीं है क्योंकि आप वचन के बारे में नहीं सोच रहे हैं, आप संसार के बारे में सोच रहे हैं, सांसारिक मामलों के बारे में सोच रहे हैं।

यदि आप मरियम की तरह आशीषित होना चाहते हैं, तो आपको लगातार परमेश्वर के वचन पर मनन करना चाहिए। बाइबल कहती है कि वह चुपचाप उन बातों पर मनन करती रही जो उसने सुनीं जो परमेश्वर ने उसके हृदय में कहीं। परमेश्वर के वचन पर निरंतर चिंतन करें। अब, यह प्रतिज्ञा सिर्फ स्त्रियों के लिए नहीं है। यह वचन उन सभी के लिए है जो वचन से प्रेम करते हैं, सीखते हैं। **"पर जो व्यक्ति स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था पर ध्यान करता रहता है, वह अपने काम में इसलिये आशीष पाएगा कि सुनकर भूलता नहीं पर वैसा ही काम करता है"** याकूब 1:25।

यदि आप ध्यान से परमेश्वर के सिद्ध वचन का अध्ययन करते हैं जो आपको स्वतंत्र करता है, तो सत्य आपको स्वतंत्र करेगा। यदि आप वह करते हैं जो यह कहता है तो आप धन्य होंगे। आप अपने घर में, या काम पर अपनी मेज पर बाइबल रखने से परमेश्वर द्वारा आशीषित नहीं हो सकते हैं, लेकिन आप केवल पढ़ने, अध्ययन करने, याद रखने, मनन करने, सोचने, विचार करने, लागू करने और जो वचन कहता है उसे करने से आशीष प्राप्त करते हैं। यदि आप इसका निरंतर पालन करते हैं, तो आप धन्य होंगे।

"व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन रात ध्यान दिए रहना, इसलिये कि जो कुछ उस में लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करे; क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सफल होंगे, और तू प्रभावशाली होगा।" यहोशू 1:8। इसलिए यह कहता है कि वचन को स्मरण करें, अध्ययन करें, मनन करें और उसका पालन करें। तब आप समृद्ध होंगे और आप सफल होंगे। यह परमेश्वर का वायदा है। परमेश्वर मनुष्य नहीं है कि वह झूठ बोले। जितना अधिक आप परमेश्वर के वचन का पालन करते हैं, उतनी ही अधिक सफलता परमेश्वर आपके जीवन में ला सकता है। वह कहता है कि यदि आप चाहें तो वचन में समृद्धि और सफलता का यही एकमात्र वचन है। यह परमेश्वर के वचन पर विचार करने, चिंतन करने और अमल में लाने से जुड़ा हुआ है।

4.मजूसियों ने समर्पण किया!

"उन्होंने उस घर में पहुँचकर उस बालक को उसकी माता मरियम के साथ देखा, और मुँह के बल गिरकर बालक को प्रणाम किया, और अपना-अपना थैला खोलकर उसको सोना, और लोबान, और गन्धरस की भेंट चढ़ाई।" मत्ती 2:11

मजूसी इराक या ईरान के शाही सलाहकारों और खगोलविदों के समान हैं, जो कि बेबीलोनियन साम्राज्य या फारसी साम्राज्य था। दानिय्येल को मजूसी बनने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। मजूसी या पूर्व के बुद्धिमान व्यक्ति ग्रह के विषय में सबसे अधिक शिक्षित लोग थे। वे वैज्ञानिक थे, वे विद्वान थे। वे खगोल विज्ञान, स्वास्थ्य, भाषाओं और साहित्य के विशेषज्ञ थे। वे उस समय ग्रह पर अब तक के सबसे बुद्धिमान ,सबसे शिक्षित लोग थे। अब, ये लोग चरवाहों के ठीक विपरीत हैं। इन लोगों ने, मजूसियों ने, पूर्व से बेतलेहेम तक यात्रा की।

अब इराक, ईरान, फारस या बेबीलोन से बेतलेहेम की यात्रा करने के लिए बहुत अधिक धन की आवश्यकता होगी। लेकिन वे धनी थे और इसके लिए उन्हें उनके बहुत समय की आवश्यकता होगी। लेकिन उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह एक बौद्धिक खोज थी। उन्होंने आकाश में तारा देखा था। और उन्होंने शास्त्रों का अध्ययन किया और उन्होंने पांडुलिपियों का अध्ययन किया, उन्होंने परंपराओं का अध्ययन किया : यह एक संकेत है कि दुनिया के उद्धारकर्ता का जन्म बेतलेहेम में होना है। इसलिए समय और पैसे की भारी कीमत चुकाते हुए, वे बेतलेहेम गए। वे सत्य की खोज कर रहे हैं, वे परमेश्वर की खोज कर रहे हैं जो करना हमेशा बुद्धिमानी की बात है।

प्रिय मित्रों, क्या आप सत्य की खोज कर रहे हैं? यदि ऐसा है तो यीशु के निकट आपका स्वागत है। वह आपको स्वीकार करने के लिए तैयार है। यीशु के पास आने के लिए आपको कुछ विशेष करने की आवश्यकता नहीं है; आप जिस स्थिति में हैं वैसे ही आ जाएं। बुद्धिमान पुरुष अभी भी यीशु को खोजते हैं। बुद्धिमान पुरुष हमेशा यीशु को खोजते हैं। केवल मूर्ख ही उसकी खोज नहीं करते। मूर्ख जीवन में बिना तैयारी के आगे बढ़ते हैं और अपरिहार्य का, अर्थात् मृत्यु का सामना करते हैं।

जब मजूसियों ने बालक को उसकी माता मरियम के साथ देखा, तो उन्होंने सिर झुकाकर उसे दण्डवत किया। **"उन्होंने उस घर में**

पृष्ठ 9 में क्रमशः...

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा ''एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट'' को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

परमेश्वर निर्बल की प्रार्थना का उत्तर देता है!

10.08.1969 से परमेश्वर के अनुग्रह से, मैंने अपनी सुसमाचार सेवकाई की शुरुआत सेवकाई प्रशिक्षण, ट्रैक्ट वितरण, प्रार्थना ज्टसभाओं का संचालन करने और गिरजाघरों में वचन का प्रचार करने के साथ की।

शायद ही किसी ने मुझे परमेश्वर के सेवक के रूप में पहचाना, क्योंकि मैं जवान था और इस क्षेत्र में नया था। इसके अलावा सेवकाई में बने रहने के लिए पैसा मेरे लिए एक बड़ी बाधा थी। नतीजतन मुझे हर दिन कई मील पैदल चलना पड़ता था और अपनी सेवकाई जारी रखनी पड़ती थी। इसलिए लंबी सैर और भूख मेरी सेवकाई का एक हिस्सा थे। सेवकाई करने और सेवकाई के लिए उपकरण खरीदने के लिए पैसों की भारी आवश्यकता थी।

मेरी सेवकाई की शुरुआत से ही मुझे अपने किसी भी मित्र और रिश्तेदार से किसी भी प्रकार की सहायता के लिए विनती नहीं करने का पक्का मन था। क्योंकि परमेश्वर को उसके काम के लिए प्रयोजन करना है जैसा उसने मुझे बुलाया है। परमेश्वर ने मुझे आज तक इस सिद्धांत पर टिके रहने में मदद की है। इस सिद्धांत का पालन करते हुए मुझे अवर्णनीय कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

मैं मानसिक और शारीरिक रूप से इस हद तक प्रभावित था कि मैं किसी विशेष स्थिति में प्रबंधन नहीं कर पा रहा था। मेरे एक रिश्तेदार स्वर्णराज जी ने मुझे परिवहन विभाग में सरकारी नौकरी दिलवाने की कोशिश की; और पालपल्लम, मैथिकोड में परमेश्वर के एक सेवक कालेब और मेरे एक मित्र ने मुझे एक निजी फर्म में नौकरी दिलाने की कोशिश की; उनके दोनों प्रयास व्यर्थ गए।

ऐसी स्थिति में, जब मैं 17.05.1971 को उपवास कर रहा था तब प्रभु के आत्मा ने मुझे स्थायी नौकरी के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रेरित किया। प्रार्थना के परिणामस्वरूप, मुझे इन शब्दों के साथ दृढ़ विश्वास मिला, "एक महीने के भीतर मैं तुम्हें एक स्थायी नौकरी दूंगा और तुम उसके साथ जीवनयापन कर सकते हो।" पवित्र शास्त्र के अनुसार जो कहता है **1 यूहन्ना 5:14, 15**। यह विश्वास करते हुए कि मुझे एक

नई नौकरी मिल गई है, मैंने उसमें दाखिल होने के लिए हर संभव तैयारी की। मेरी गतिविधियों को देखने वाले कई लोग मेरी मानसिक स्थिति के बारे में संदेह करने लगे। लेकिन उनकी परवाह न करते हुए, मैंने परमेश्वर पर पूरा विश्वास किया।

जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैं हर दिन पोस्टमैन का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। पूरा एक महीना बीत जाने के बाद, ठीक 18. 06.1971 को मैं प्रभु पर विश्वास करके डाकघर गया। जैसे ही पोस्ट मैन मिस्टर नेल्लयप्पन ने मुझे देखा, उन्होंने संकेत दिया कि मेरे लिए कुछ भी नहीं है। फिर भी परमेश्वर के वादों पर टिका हुआ मैं वहीं बैठ गया और प्रार्थना करने लगा। कुछ ही मिनटों में मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ, उसी डाकिए ने कहा, "सैम, आपको एक पंजीकृत डाक प्राप्त हुई है, उस पर हस्ताक्षर करें और उसे प्राप्त करें।"

पत्र खोलने पर मैंने पाया कि यह श्रम विभाग में दाखिल होने के लिए टीएनपीएससी कार्यालय, चेन्नई से नियुक्ति पत्र था। यह कुछ साल पहले लिखी गई मेरी परीक्षा का परिणाम था। यह मेरी उत्कट प्रार्थना से शीघ्र हुआ और एक चमत्कार हुआ। हां, प्रार्थना एक अद्भुत आत्मिक हथियार है।

मैं खुशी-खुशी चेन्नई आ गया और नौकरी में दाखिल हो गया। नाकैरी से मेरी तनख्वाह का बड़ा हिस्सा मेरी सेवकाई में लगाया जाता था। बाद में, 1994 में, प्रभु ने मुझे पूर्णकालिक सेवकाई के लिए सरकारी नौकरी छोड़ने की आज्ञा दी और मैंने उसकी बुलाहट का पालन किया और पूर्णकालिक सेवकाई में प्रवेश किया

My co-workers when I left my Government job - 1994

Farewell by Mr. A. Shenbagam B.E., Chief Inspector of Factories with my co-workers at the time of leaving my Government job in 1994

हमारा परमेश्वर अच्छा है! वह समय का पाबंद है! उसे मजबूती से थामे रहें !! आपको सफलता मिलेगी!!! वह आज आप पर पैनी नज़र रखता है।

"जिसका मन तुझ में धीरज धरे हुए है, उसकी तू पूर्ण शान्ति के साथ रक्षा करता है, क्योंकि वह तुझ पर भरोसा रखता है।" यशायाह 26:3।

पृष्ठ 7 से आगे:...

पहुँचकर उस बालक को उसकी माता मरियम के साथ देखा, और मुँह के बल गिरकर बालक को प्रणाम किया, और अपना-अपना थैला खोलकर उसको सोना, और लोबान, और गन्धरस की भेंट चढ़ाई।" मत्ती 2:11

ध्यान दें कि उन्होंने झुककर मरियम को दण्डवत नहीं किया। वह वहीं कमरे में थी। उन्होंने झुककर यीशु को दण्डवत किया। तब उन्होंने अपना अपना खजाना खोलकर उसको सोना, ऊद, और गन्धरस की भेंट चढ़ाई। इन तीन भेंटों में से प्रत्येक इस प्रतीक का प्रतिनिधित्व करता है कि यीशु अपने जीवन और मृत्यु और पुनरुत्थान के दौरान हमारे लिए क्या करेगा। **तब स्वप्न में यह चेतावनी पाकर कि हेरोदेस के पास फिर न जाना, वे दूसरे मार्ग से अपने देश को चले गए।** जब भी आप यीशु के साथ होते हैं, यह आपकी दिशा बदल देता है, यह आपके चलने के तरीके को बदल देता है। यह आपके काम करने के तरीके को बदल देता है। हमारे जीवन में परमेश्वर जैसा बड़ा कोई आए और हमें न बदले ऐसा नहीं हो सकता। यदि आपको लगता है कि आपके जीवन में परमेश्वर है और इसने आपको नहीं बदला है, तो आपको कुछ और मिला है लेकिन परमेश्वर नहीं है। क्योंकि परमेश्वर इतना बड़ा है कि, वह आपकी दिशा बदले बिना आपके जीवन में नहीं आ सकता।

क्योंकि मजूसियों को यीशु के पास आने के लिए कीमत चुकानी पड़ी। परंतु जब उन्होंने उसे देखा, तो उसकी आराधना की। और यह चौथा पाठ है, यदि आप धन्य होना चाहते हैं, आप चाहते हैं कि आपका जीवन धन्य हो, तो आप मजूसियों की तरह बनें और अपना समय और अपनी भेंट यीशु को समर्पित करें। वे यीशु के लिए भेंट ले आए। आपके जीवन में आपको जो कुछ भी मिला है वह वैसे भी आपको उसके द्वारा दिया गया है। परमेश्वर के बिना आपके पास कुछ भी नहीं होगा। यह सिर्फ परमेश्वर को वापस देना है जो उसने आपको दिया है और फिर वह इसे लेता है और इसे गुणा करता है और इसे वापस देता है। **"इसलिये हे भाइयो, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ। यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।"** रोमियों 12:1। इसलिए आइए हम अपना समय समर्पित करें और अपना जीवन समर्पित करें और अपनी भेटों को यीशु को समर्पित करें।

"और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो।" रोमियों 6:13। इससे बड़ी बुद्धिमानी और कुछ नहीं हो सकती। अपने आप को कुछ ऐसा न दें जो टिकने वाला न हो। अपने आप को किसी ऐसी चीज के लिए समर्पित कर दें जो टिकने वाली है। अपना हर अंग पूरी तरह से परमेश्वर को दे दें ताकि परमेश्वर के हाथों में उसके अच्छे उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बन सकें।

आप यीशु को क्या देने जा रहे हैं?

आप इस ऋतु के दौरान अन्य लोगों को देने के लिए उपहार खरीदने में बहुत समय और विचार और पैसा खर्च करने जा रहे हैं। आप क्रिसमस के लिए हमारे प्रभु यीशु को क्या देने जा रहे हैं? आप एक जन्मदिन की पार्टी की कल्पना नहीं कर सकते हैं जहां जन्मदिन के लड़के को छोड़कर हर कोई एक दूसरे को उपहार देता है। इस वर्ष क्रिसमस पर आप जो सबसे महत्वपूर्ण उपहार देते हैं, वह उपहार है आप अपने आप को पूरी तरह से यीशु को देते हैं। सबसे अच्छा उपहार या भेंट जो आप यीशु को दे सकते हैं वह है आपका उनके लिए पूरा प्यार, आपका विश्वास और आपका ध्यान। वह आपकी किसी भी भेंट को सहर्ष स्वीकार करेगा।

मजूसियों ने क्रिसमस उपहार देने की परंपरा शुरू की। वे यीशु के लिए उपहार/भेंट ले आए। और अब हम एक दूसरे को उपहार देते हैं। लेकिन उपहार देने वाली पूरी चीज आई क्योंकि परमेश्वर ने जगत से इतना प्रेम किया, कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परंतु अनंत जीवन पाए। क्रिसमस का पहला तोहफा परमेश्वर ने दिया।

अब इन चार बातों में से, यूसुफ ने सहयोग किया और चरवाहों ने उत्सव मनाया, मरियम ने वचन पर विचार किया और मजूसियों ने अपनी भेंटों को यीशु को समर्पित किया। मित्रों, तय करें कि आपको क्या करना है और परमेश्वर की आशीष लें और आशीष बनें!

****

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का सुअवसर

यदि आप डाक, डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स ॲप या फोन द्वारा हमें मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेजेंगे तो हम उन्हें एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch	:	**Triplicane, Chennai-5**
Name	:	**S. Sam Selva Raj**
A/C No.	:	**1023 2934 679**
IFSC	:	**SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE	:	**SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch	:	**Anna Salai, Chennai-6**
Name	:	**Echo of His Call**
A/C No.	:	**6038 0502 2319**
IFSC	:	**ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch	:	**Triplicane, Chennai-5**
Name	:	**Echo of His Call Educational Trust**
A/C No.	:	**1023 2923 805**
IFSC	:	**SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ

*****

E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्क: रु. १००/-   आजीवन शुल्क: रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th DECEMBER, 2022
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers**, New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**